“मछली प्रसंस्करण और मूल्य संवर्धन” पर राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम

नानाजी देशमुख पशु चिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय के अंतर्गत मत्स्य विज्ञान महाविद्यालय, जबलपुर द्वारा आयोजित तीन दिवसीय राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम **“मछली प्रसंस्करण और मूल्य संवर्धन”** का समापन हुआ। जिसमें मुख्य अतिथि की आसंदी से दिये गये उद्बोधन में माननीय कुलपति प्रो (डॉ.) सीता प्रसाद तिवारी जी द्वारा कहा गया कि मछली बहुत ही पौष्टिक होती हैं। जिससे मछली को ज्यादा लम्बे समय तक रखने के लिए उसका प्रसंस्करण कर उसके विभिन्न उत्पाद बनाकर उसकी शेल्फ लाइफ को बढ़ा सकते हैं, एवं किसान अपनी आय में वृद्धि कर एक बहुत ही अच्छा व्यवसाय स्थापित कर सकते हैं। ये प्रशिक्षण किसानों एवं उद्यमियों के भविष्य में बहुत ही लाभदायक होगा जिससे वे इसे अपने रोजगार एवं व्यवसाय के रूप में अपना सकते हैं तथा अपने परिवार के लिए स्वर्णिम भविष्य की स्थापना कर सकते हैं। ये प्रशिक्षण प्रधानमंत्री मत्स्य सम्पदा योजना के अंतर्गत हैदराबाद स्थित राष्ट्रीय मात्स्यिकी विकास बोर्ड (एन.एफ.डी.बी.) द्वारा पोषित किया गया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के अधिष्ठाता संकाय एवं महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. आर. पी. एस. बघेल की उपस्थिति रही। इस

कार्यक्रम की समन्वयक डॉ. प्रीति मिश्रा, सहायक प्राध्यापक एवं सह-समन्वयक डॉ. माधुरी शर्मा, सह-प्राध्यापक रहीं।

डॉ. माधुरी शर्मा द्वारा कार्यक्रम के बारे में विस्तार से बताया गया। अतिथियों का आभार प्रदर्शन श्री आशुतोष लोवंशी द्वारा किया गया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में पूरे मध्य प्रदेश के विभिन्न हिस्सों से आये हुये लगभग 30 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। प्रशिक्षण कार्यक्रम के तकनीकि सत्र में विषय विशेषज्ञों द्वारा व्याख्यान दिए गए। जिसमें प्रथम दिवस पर मछली के परिरक्षण की उन्नत विधियां एवं मछली को संभालकर पकड़ने का तरीका, मछली प्रसंस्करण में व्यापार के अवसर - उत्पादों और खाद्य सुरक्षा द्वारा मूल्य संवर्धन, दूसरे दिवस पर मीठे पानी की मछलियों का मूल्य संवर्धन, फिश साल्टिंग, फिश ड्राईंग और फिश स्मोकिंग, मछली उत्पादों की पोषण गुणवत्ता, मछली का अचार बनाना, मछली की गुणवत्ता का आकलन तथा तीसरे एवं अंतिम दिवस पर मछली खराब होने के कारण और उनकी रोकथाम, पोस्ट हार्वेस्ट फिशरीज में तकनीकी और एंटरप्रेन्योरियल इनोवेशन एवं फिश कटलेट और फिश बॉल्स तैयार करना, पर सैद्धांतिक एवं व्यावहारिक व्याख्यान हुए। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य मत्स्य प्रसंस्करण द्वारा मछली में मुख्य रूप से गुणवत्ता बनाए रखने और शेल्फ लाइफ को बढ़ाने के लिए विभिन्न संरक्षण तकनीकों का उपयोग करके प्रसंस्करण प्रौद्योगिकी विकास, प्रौद्योगिकी उन्नयन, उसका विविधीकरण और गुणवत्ता द्वारा मूल्य संवर्धन की लाभप्रदता को बढ़ाने के लिए रहा। इस कार्यक्रम में महाविद्यालय के डॉ. एस. के. महाजन एवं डॉ. सोना दुबे कि उपस्थिति रही तथा प्रशिक्षण कार्यक्रम में विशेष सहयोग मत्स्य विज्ञान महाविद्यालय के शिक्षण सहयोगियों श्री शिव मोहन सिंह, श्री आशुतोष लोवंशी, श्री मुकेश कुमार, श्री सुजीत रॉय, छात्र-छात्राओं एवं महाविद्यालय के समस्त कर्मचारीगणों का रहा।

सूचना एवं जनसंपर्क अधिकारी
ना.दे.प.चि.वि.वि., जबलपुर